[This question paper contains 4 printed pages.]

2451 *Your Roll No.* .....

LL.B. / I Term **F**

LB – 101 : Jurisprudence – I (Legal Method, Indian Legal System and Basic Theory of Law)

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note :– Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :– इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेज़ी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt any **Five** *questions.*
All *questions carry equal marks.*

किन्हीं **पाँच** *प्रश्नों के उत्तर लिखिए।*
सभी *प्रश्नों के अंक समान हैं।*

1. Write short notes on any **two** :

   (a) Common Law system.

   (b) Hierarchy of lower Judiciary in India

   (c) Effective utilization of library in legal studies. (20)

P.T.O.

किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(क) कॉमन विधि पद्धति।

(ख) भारत में अवर न्यायपालिका का उत्क्रम।

(ग) विधिक अध्ययन में लाइब्रेरी का प्रभावी उपयोग।

2. "The 'is' and 'ought' divide is a bone of contention between positivists and naturalists. However, this divide is broken at a point of repeal of law by legislative or judicial means." Critically analayse the statement by comparing the positivist and naturalist school of law. (20)

"'is' और 'ought' विभाजन निश्चयवादियों और प्रकृतिवादियों के बीच फिसाद की जड़ है। मगर यह विभाजन विधायी अथवा न्यायिक उपायों द्वारा विधि के निरसन बिन्दु पर चूर हो जाता है।" विधि की प्रत्यक्षवादी तथा प्रकृतिवादी विचारधारा की तुलना करके इस कथन का समीक्षात्मक विश्लेषण कीजिए।

3. Comment on the objectives and performance of the Advocates Act, 1961. (20)

अधिवक्ता अधिनियम, 1961 के उद्देश्यों तथा पालन किए जाने पर टिप्पणी लिखिए।

4. Give a comparative account of the types of jurisdiction of the supreme court and the high Courts in India. (20)

भारत में उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालयों के क्षेत्राधिकार के प्रकारों का तुलनात्मक विवरण प्रस्तुत कीजिए।

5. "A custom to be legally recognizable and enforceable must fulfil several requisites such as certainty, reasonableness, historical origin, strict construction etc." Comment on the statement by exploring the importance of customs in different personal laws of India. (20)

"किसी रूढ़ि को विधित: मान्यताप्राप्ति योग्य तथा प्रवर्तनीय बनने के लिए अनेक अपेक्षाओं की पूर्ति करनी पड़ती है-यथा विनिश्चितता, तर्कपूर्णता, ऐतिहासिक उद्भव, कठोर अर्थान्वयन आदि।" भारत की विभिन्न वैयक्तिक विधियों में रूढ़ियों के महत्व को खोजकर इस कथन पर टिप्पणी लिखिए।

6. Write short notes on any **two** :

(a) Ratio Decidendi and Obiter Dictum

(b) Right to legal aid as a constitutional Mandate

(c) Grund Norm (20)

किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए:

(क) विनिश्चय आधार और इतरोक्ति।

(ख) संवैधानिक जनादेश के रूप में विधिक सहायता का अधिकार।

(ग) मूल संन्नियम।

P.T.O.

7. "Legal services and Legal Aid schemes were deviced to effectively recognize the constitutional mandate that economic incapacity shall not prevent people's access to justice". Explain the statement by throwing light to the relevance of Lok Adalat as an effective tool of amicable dispute resolution. (20)

"विधिक सेवाओं और विधिक सहायता स्कीमों को संवैधानिक जनादेश को प्रभावी मान्यता प्रदान करने की युक्ति बनाया गया था कि आर्थिक अक्षमता लोगों की न्याय तक पहुंच को नहीं रोकेगी।" सौहार्दपूर्ण विवाद समाधान के प्रभावी साधन के रूप में लोक आदालत की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए इस कथन की व्याख्या कीजिए।

8. "The making, interpretation and application of laws must take into account several social facts including the recognition and identification of different interests of the society." Critically examine this statement by explaining the features of sociological school of law led by Rocoe pound. (20)

"विधि के निर्माण, निर्वचन और अनुप्रयोग में समाज के विभिन्न हितों की मान्यता प्राप्ति तथा पहचान सहित अनेक सामाजिक तथ्यों को ध्यान में रखना पड़ेगा।" Rocoe Pound द्वारा आगे बढ़ाई गई समाजशास्त्रीय विधि विचार धारा की विशेषताओं को स्पष्ट करते हुए इस कथन की समीक्षात्मक जांच कीजिए।